

७. जन्मभूमि

प्रस्तावना

* इस कविता के कवि का नाम **सुमित्रानंदन पंत** है। उनका जन्म सन 1900 में उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के कौसानी गाँव में हुआ था। **वीणा, ग्रंथि, पल्लव, गुंजन, युगान्त युगवाणी, मधुज्वाल, ग्राम्या, युगपथ, कला, और बूढ़ा चाँद** इनके प्रमुख काव्य हैं। इनके आलावा इन्होंने नाटक, नीतिनाट्य, कहानी तथा उपन्यास भी लिखे हैं।

इस काव्य में पंत जी ने जन्मभूमि का महत्त्व बताते हुए प्रकृति का गान किया है। साथ ही साथ भारत के वैभवशाली इतिहास, प्रकृति, महापुरुषों का वर्णन किया है। हमारे नररत्नों की बात बताते हुए पंतजी ने **वसुधैव कुटुंबकम्** की भावना साकार की है। तो चलिए इस काव्य का पठन करते हैं।

स्वाध्याय

१. निम्न लिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. जननी जन्मभूमि से महान है ।

- (अ) पृथ्वी
- (ब) आकाश
- (क) स्वर्ग
- (ड) नर्क

२. ' भारत का भाल ' है ।

- (अ) हिमाचल
- (ब) विंध्याचल
- (क) माउन्टा आबू
- (ड) नर्क

३. गीता का गान करनेवाले थे ।

- (अ) वाल्मिकी
- (ब) द्रोणाचार्य
- (क) अर्जुन
- (ड) कृष्ण

२. निम्न लिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. जन – जन के हृदय में कोन सी नदिया बसी है ?

उत्तर : जन – जन के हृदय में गंगा – यमुना जैसी नदिया बसी है ।

२. कृष्ण ने किस ग्रंथ की रचना की ?

उत्तर : कृष्ण ने ‘ भगवद्गीता ‘ ग्रंथ की रचना की ।

३. जन्मभूमि में भारत की किन नारिया की बात बताई गई है ?

उत्तर : जन्मभूमि में भारत सीता, राधा, सावित्री और अहल्या आदि नारिया की बात बताई गई है ।

४. शांतिनिकेतन क्या है ?

उत्तर : शांतिनिकेतन एक तपोवन है जहाँ ऋषियों और मुनिगणों तप करते हैं और अपनी तपकी शक्ति से वह कहीं भी विचरण कर सकते हैं ।

३. निम्न लिखित प्रश्नों के दो- तीन वाक्य में उत्तर लिखिए:

१. हिमालय के बारे में जन्मभूमि कविता में क्या कहा है ?

उत्तर : कवि ने इस कविता में हिमालय को भारत का भाल यानी कि मस्तक बताकर उसका गौरव किया है ।

२. कवि ने धरती के गुणगान कैसे गाये हैं ?

उत्तर : कवि ने धरती के गुणगान गाते हुए कहा है कि भारत की चारों ओर फेली हुई हरी भरी धरती सोने जैसी मूल्यवान है । इस धरती पर उनके महापुरुषों ने और नारीरत्नों ने जन्म लिया है ।

३. शांति सत्य अहिंसा का प्रचार करनेवाले भारतीय महापुरुषों के नाम बताईए ।

उत्तर : महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी जैसे कई महापुरुष हैं जिसने शांति, अहिंसा और सत्य का प्रचार किया है ।

४. निम्न लिखित प्रश्नों के चार – पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. कवि ने जन्मभूमि को स्वर्ग से महान क्यों बताया है ?

उत्तर : कवि ने जन्मभूमि को माँ का स्थान दिया है । कवि कहते हैं कि जन्मभूमि में बड़े – बड़े पहाड़ों, नदियों और हरी – भरी धरती है, जिससे उसकी सुंदरता बढ़ती है । कितने ही महान पुरुषों और महान नारियों ने अच्छे और बड़े कार्य किए हुए हैं । महान तपस्वीओं के कारण शांति बनी रहती है । यह सभी बातें हैं जो कवि को

स्वर्ग से भी ज्यादा आनंद देती है। इसलिए कार्य में जन्मभूमि को स्वर्ग से महान बताया है।

२. जन्मभूमि में भारत भूमि की क्या – क्या विशेषताएँ बताई गई हैं ?

उत्तर : जन्मभूमि में कवि ने जन्मभूमि विशेषताएँ बताते हुए कहा कि अपनी जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है। यहाँ पर उत्तर दिशा में हिमालय पर्वत शिखर पर पहने हुए मुकुट की तरह हमारे देश की शोभा बढ़ाता है। भारत की हरीभरी धरती सोने जैसी ही मूल्यवान है। इस धरती को राम, लक्ष्मण और सीता ने अपने पैरों की धूल से पवित्र बनाया है और कृष्ण द्वारा गाई हुई गीता ने ज्ञान दिया है। राधा, सावित्री, अहल्या जैसी महान नदियाँ इस भूमि की शान हैं। इस भूमि पर ऋषियों और मुनियों ने तप करके इसे पावन किया है।

३. कविता ने आधार पर भारतीय नारी की महानता का वर्णन कीजिए।

उत्तर : जन्मभूमि काव्य में कवि ने सीता, राधा, सावित्री और अहल्या जैसी महान नारियाँ की बात बताई गई है। जैसे सावित्री अपने पति के प्राणों को वापस लाने के लिए यमराज से भीड़ गई थी। सीताजी ने अपने पति श्री राम के साथ चौदह वर्ष का वनवास काटा और कई कष्टों को बिना बदले की भावना प्यार करने वाली राधा जैसी नारियाँ भी इस धरती पर ही जन्म लेती हैं। अहल्या अपने पति के शाप के कारण शीला बन गई थी। श्री राम के चरण स्पर्श से उसका उद्धार हुआ था। ऐसी नारियों के कारण हमारा देश महान है।

४. भारत ' विश्व शांतिदूत ' क्यों कहलाता है ?

उत्तर : भारत के लोग सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले लोग हैं। यहाँ के लोगों में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना है। यह कामना तभी पूरी होगी जब पूरा विश्व लड़ाई न करके शांति रखे। और भारत देश शांति बनाए रखने में सबसे पहले आगे आता है। और शांति स्थापित करने की दिशा बताता है। इस प्रकार यह देश शांति का संदेश हर जगह फैलाता है इसलिए भारत विश्व शांतिदूत कहलाता है।

५. निम्नलिखित पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए :

१. जिसका गौरव भाल हिमाचल।

उत्तर : इस पंक्ति में कवि कहते हैं कि उत्तर दिशा में हिमाचल पर्वत शिखर पर पहने हुए मुकुट की तरह हमारे देश की शोभा बढ़ाता है। यह दुनिया का सबसे ऊँचा पहाड़ है। इस प्रकार हिमालय हमारे देश का गौरव है।

२. जडता बनी चेतना सरसी

उत्तर : कवि ईस काव्य मे भारत देश की महानता बताते हुए कहते है कि ईस भूमि मे ईतनी ताकत है कि जड वस्तु भी चेतनमय बन जाती है । जैसे गौतम ऋषि के शाप के कारण उनकी पत्नी अहल्या शिला बन जाती है । जो कई वर्षों बाद प्रभु श्री राम के चरणस्पर्श से पुनः चेतनमय बनती है ।

३. वह वसुधेव बना कुटुम्बकम् ।

उत्तर : आज जब पूरा विश्व युद्ध की कगार पर खड़ा है तब कवि पंतजी उसका उपाय सुझाते हुए कहते है कि हमे पुनः मंत्रोचार की तरह मुड़ना चाहिए तभी हमारी वसुधेव कुटुम्बकम् की भावना सिद्धि होगी ।

६. निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द दीजिए :

जननी	- माता
ज्योति	- प्रकाश
शिला	- पत्थर
विचरण	- घूमना फिरना
गौरव	- सम्मान
पुनीत	- पवित्र